Hindustan (15/10/2019)

मुख्यमंत्री ने बैंक खाते में राशि हस्तांतरण का किया शुभारंभ

बाढ़ पीड़ित परिवारों को 6000 दिवाली से पहले

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सितंबर के तीसरे हफ्ते में गंगा के जलस्तर में वृद्धि और चौथे सप्ताह में हुई भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से प्रभावित 15 जिलों के दो लाख 27 हजार 649 परिवारों के खाते में 136 करोड़ 58 लाख 94 हजार का हस्तांतरण सोमवार को माउस क्लिक कर किया। इनमें तीन हजार अनुग्रह अनुदान तथा तीन हजार खाद्यान खरीदने के लिए है। यह राशि 48 घंटे के अंदर परिवार को प्राप्त हो जाएगी।

अब तक बाढ़ग्रस्त 15 जिलों के 95 प्रखंडों के 616 पंचायतों में करीब 7.22 लाख परिवार बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी बाढ़ पीड़ित परिवारों के खाते में छह-छह हजार दिवाली के पहले हर हाल में भुगतान कर दें। साथ ही सूखे से प्रभावित लोगों को भी दिवाली के पहले भुगतान कर दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ ऐसे परिवार भी हैं, जिनका बैंक खाता नहीं खुला है। ऐसे परिवार का खाता खुलवाएं और भुगतान सुनिश्चित कराएं। एक अणे मार्ग में इस अवसर पर मुख्य सचिव दीपक कुमार, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव चंचल कुमार, आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी संजय अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह सहित आपदा प्रबंधन विभाग के पदाधिकारी एवं आईसीआईसीआई बैंक के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सहायता

- 15 जिलों के 2.27 लाख परिवारों को 136.58 करोड़ हस्तांतरित
- सूखा प्रभावित लोगों को भी दिवाली के पहले भुगतान करने का निर्देश

2272649

परिवारों के खाते में छह-छह हजार हस्तांतरण किये गये

इन जिलों के परिवारों को मिलेगी राशि

पटना, भोजपुर, भागलपुर, नवादा, नालंदा, खगड़िया, समस्तीपुर, लखीसराय, बेगूसराय, मुंगेर, बक्सर, कटिहार, जहानाबाद, अरवल एवं पूर्णिया

Hindustan (15/10/2019)

दिवाली और छठ पर मिलेगी निर्बाध बिजली

बिजली कंपनी

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

बिजली कंपनी दिवाली व छठ महापर्व के मौके पर लोगों को निर्बाध बिजली देने की तैयारी में जुट गई है। इंजीनियरों को कहा गया है कि लोड का आकलन कर अविलंब अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाएं। छठ घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। निर्बाध बिजली आपूर्ति की निगरानी के लिए पटना सहित सभी विद्युत प्रमंडलों में कंट्रोल रूम खुलेगा।

कंपनी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि दिवाली और छठ पर्व के मौके पर बिजली की खपत अधिक होती है। अब तक के वर्षों में दीपावली और छठ के मौके पर राज्य में रिकार्ड बिजली आपूर्ति होती रही है। इसलिए इलाकों में बिजली खपत का आकलन कर अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाने को कहा गया है। कंपनी ने कहा है कि अगर कहीं ट्रांसफॉर्मर जले हुए हैं तो उसे अविलंब बदला जाए। गली-मोहल्लों में विशेषकर जहां पूजा-पंडाल लगते हैं, वहां के जर्जर तार भी बदले जाएं। बिजली आपूर्ति में सुरक्षा का पूरा ख्याल रखने को कहा गया है। निर्बाध बिजली आपूर्ति की निगरानी के लिए मुख्यालय से लेकर सभी विद्युत प्रमंडलों में कंट्रोल रूम खोले जाएंगे। इसके नंबर का प्रचार-प्रसार होगा। साथ ही यह जिलाधिकारी कंट्रोल रूम से भी जुड़ा रहेगा ताकि प्रशासन भी अपने स्तर से निगरानी कर सके। कंपनी ने पूजा-पंडालों के साथ ही छठ घाटों से बिजली के तारों की पर्याप्त दूरी बनाए रखने के लिए कहा है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इंजीनियरों को कहा गया है कि जान-माल की सुरक्षा के लिए जो भी आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए, उसे किया जाए। बिजली आपूर्ति के दौरान सब-स्टेशनों से कोई समस्या नहीं हो, इसके लिए पूरी जांच कर ली जाए। सभी विद्युत प्रमंडलों में आपातकालीन टुकड़ी बनाई जाएगी जो सूचना मिलते ही अविलंब बिजली आपूर्ति बहाल करेगी।

व्यवस्था

- राज्यभर में लोड के अनुसार अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे
- पटना सहित सभी विद्युत प्रमंडलों में खुलेंगे विशेष कंट्रोल रूम

बिजली कर्मियों की छुट्टी रद्द की गई

निर्बाध बिजली देने के लिए कंपनी ने अपने कर्मियों को दिवाली और छठ के मौके पर छुट्टी रद्द कर दी है। विशेष परिस्थिति में ही कर्मियों को छुट्टी मिलेगी। कंपनी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (परिचालन एवं अनुरक्षण) कार्य में लगे कर्मियों को दिवाली और छठ में छुट्टी नहीं मिलेगी। अगर किसी कर्मचारी को छुट्टी चाहिए तो उन्हें मुख्यालय स्तर से इसकी अनुमति मिलेगी। कर्मियों को यह भी कहा गया है कि पर्व के दौरान किसी भी कीमत पर वे अपना सरकारी मोबाइल बंद नहीं करेंगे।

Hindustan (15/10/2019)

जमीन खरीद की प्रक्रिया शुरू, बासविहीन परिवार को दी गई जमीन पर बनाना होगा आवास

18 हजार भूमिहीन परिवारों को जल्द मिलेगी जमीन

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

लंबे समय से जमीन के लिए तरस रहे गरीबों के लिए अच्छी खबर है। इन लोगों का अपना आशियाना का सपना जल्द साकार होगा। बिना घर-बार वाले ऐसे परिवार की पहचान कर ली गई है। उन्हें अब जमीन मिलने का रास्ता साफ हो गया है। राज्य सरकार ही उन्हें घर बनाने के लिए जमीन खरीद कर देगी। सूत्रों के मुताबिक पहले चरण में 18,307 बासविहिन दलित, आदिवासी और अतिपिछड़े समाज के लोगों को घर बनाने के लिए जमीन दी जाएगी। कई जिलों में जमीन खरीद की प्रक्रिया शुरू भी कर दी गई है। इन गरीबों को जमीन तो मिलेगी पर शर्त होगी कि दिए गए भूखंड पर अपना घर बनाना होगा। उस जमीन का कोई दूसरा उपयोग नहीं करना होगा। खास बात है कि जिस पंचायत में ऐसे परिवार रहते हैं, वहां ही जमीन दी जाएगी।

यह सब होगा मुख्यमंत्री बासस्थल क्रय सहायता योजना के माध्यम से। सरकार का प्रयास है कि 27 अक्टूबर तक अधिक से अधिक परिवारों के लिए जमीन की खरीद हो जाए ताकि दीपावली को उनको जमीन का पर्चा दे दिया जाए। ग्रामीण विकास विभाग ने इसके लिए सभी जिलों को सख्त हिदायत भेजा है। चिह्नित लाभुकों को उनके अपने पंचायत में ही रहने योग्य जमीन की तालाश करने को कहा गया है। जमीन खरी होने के बाद लाभुकों से एकरारनामा किया जाएगा।

तैयारी पूरी

- लाभुकों को उन्हीं की पंचायत में जमीन खरीदकर दी जाएगी
- पटना जिले में 883 गरीबों को जमीन मिलेगी

सीतामढ़ी में सबसे अधिक 2321 लोगों को सरकार जमीन देगी

जिन लाभुकों का जमीन बास भूमि देने के लिए चयन हुआ है। उनमें सबसे अधिक सीतामढ़ी जिले के लोग हैं। वहां 2321 लोगों को सरकार जमीन खरीद कर देगी। पश्चिम चंपारण में 2187 और बेगूसराय में 1679 लोगों को जमीन मिलेगी। पटना जिले में भी 883 गरीबों को जमीन मिलेगी। वहीं, पूर्णिया में 1392, मुजफ्फरपुर में 822, समस्तीपुर 860, सुपौल 896, कटिहार 959, मधुबनी 664, भागलपुर 617, गया 451, औरंगाबाद 315, बांका 373, भोजपुर 151, बक्सर 149, वैशाली 293 व खगड़िया में 620 को जमीन मिलेगी। प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण के तहत भी 1.85 लाख को चालू माह में ही नया घर देने की तैयारी है। प्रयास है कि इतने लोगों को दीपावली के दिन ही सामूहिक गृहप्रवेश कराया जाए।